(v) Need for declaring Sree Narayan Guru Deva Jayanti aud Samadhi days public holidays in Kerala

PROF. P.J. KURIEN (Mavelikara): Sree Narayana Guru Deva Jayanthi and Samadhi days were public holidays in Kerala for State Government and also for Central Government. This was to enable the followers of the great saint and Guru to celebrate the birth anniversary and to worship him on the Samadhi day. But from 1983 onwards, these days are not included in the list of public holidays for Central Government Offices and institutions. Sree Narayana Guru was not only a saint, but also a great social reformer, who dedicated his life for the upliftment of the down-trodden in the society. He was above caste, creed, religion and he fought against all evils in the society. It is befitting and in accordance with the aspirations of the entire people of Kerala to declare Guru Deva's Jayanthi and Samadhi day as public holidays. I request the Central Government to include the above two days also in the list of public holidays.

(vi) Need for enforcing Multi-Unit Cooperative Society Act in the Country

श्री छोटे सिंह यादव (कन्नौज) : उपाध्यक्ष महोदय, कई वर्षों से यह देखा गया है कि सहकारी समितियों के निर्वाचित सदस्यों एवं पदाधिकारियों को राजनैतिक कारणों से हटा दिया जाता है और उनके स्थान पर सरकारी एवं गैरसरकारी लोगों को प्रशासक बना दिया जाता है। इस कारण समितियों की कार्यपद्धति में काफी गिरावट आई है। सहकारिता आंदोलन का सरकारीकरण हो रहा है। खासतौर से उत्तर प्रदेश में पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से नामजद प्रशासक कार्यरत हैं जबकि नियमानुसार ये प्रशासक एक वर्ष से अधिक समय तक नहीं रह सकते। उत्तर प्रदेश सरकार ने कई बार इन समितियों के चुनाव की घोषणा कराई और मतदान तक हो गये, लेकिन मतगणना से पूर्व इन चुनावों को रद्द कर दिया गया। इस गिरावट को रोकने के लिए विभिन्न राज्यों की सहकारी समितियों से सम्बद्ध लोगों द्वारा समय-समय पर मल्टी यूनिट कोआपरेटिव सोसाइटिज एक्ट, 1942 लागू करने की मांग बहुत पहले से भी होती रही है।

अत: इस सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि देश की समस्त सहकारी समितियों के शीघ्र चुनाव कराये जाएं और पूरे देश में सहकारी समितियों में एकरूपता लाने के लिये मल्टी सोसाइटीज कोआपरेटिव एक्ट लागू किया जाय। ऐसा करने से केन्द्र सरकार का निष्पक्ष, स्वच्छ एवं कठोर नियन्त्रण हो सकेगा।

(vii) Need to improve supply of LPG to Ujjain and Indore, Madhya Pradesh

श्री सत्यनारायण जटिया (उज्जैन)*: उपाध्यक्ष महोदय, देश में लिक्विफाइड पैट्रोलियम गैस भोजन बनाने का महत्वपूर्ण एवं आवश्यक माध्यम बन गया है। लाखों व्यक्तियों के नाम प्रतिक्षा सूची में गैस सिलेण्डर के लिए पंजीबद्ध हैं किन्तु तेल शोधक केन्द्रों में बड़ी मात्रा में यह गैस भण्डार क्षमता के अभाव में व्यर्थ हो रही है, जिससे जहां एक ओर प्रतिवर्ष राष्ट्रीय आय कोष में करोड़ों रुपयों की क्षति हो रही है, वहीं आम उपभोक्ता गैस आपूर्ति से वंचित हो गया है। उपभोक्ताओं को प्राय: एक माह से डेढ़ माह तक "गैस सिलेण्डर" की पूर्ति नहीं की जा रही है। लकड़ी, कोयला केरोसिन तेल के भाव दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में तरल पैट्रोलियम गैस की आपूर्ति की स्थिति को सुधारने तथा अधिक लोगों को गैस उपलब्ध कराई जाना चाहिए।

---

* The original speech was delivered in Sanskrit.